डॉ. अम्बेडकर की जीवनी PDF

1. भीमराव डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर का जन्म मध्य प्रांत (अब मध्य प्रदेश में) में अंग्रेजों द्वारा स्थापित एक शहर और सैन्य छावनी महू में हुआ था। वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14वीं और अंतिम संतान थे।
2. उनका परिवार मराठी था और आधुनिक महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के अंबडवे गांव का था। वह हिंदू महार जाति से संबंधित थे, जिन्हें अछूत कहा जाता था।
3. उनके पास मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा की डिग्री थी। उन्होंने हमेशा अपने बच्चों को स्कूल में पढ़ने और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया।
4. पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बावजूद छात्र भीमराव अंबेडकर अपने प्रति इस अलगाव और भेदभाव से लगातार परेशान रहते थे। 1907 में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, भीमराव अम्बेडकर मुंबई विश्वविद्यालय में शामिल हो गए, इस प्रकार वे किसी भारतीय कॉलेज में प्रवेश लेने वाले पहले अछूत बन गए।
5. मैट्रिक की परीक्षा पास करने में उनकी बड़ी सफलता से उनके पूरे समाज में खुशी की लहर दौड़ गई, क्योंकि उन दिनों मैट्रिक की परीक्षा पास करना बहुत बड़ी बात थी और अछूतों का मैट्रिक की परीक्षा पास करना आश्चर्यजनक और बहुत महत्वपूर्ण था।
6. इसलिए मैट्रिक की परीक्षा पास करने पर उन्हें एक सार्वजनिक समारोह में सम्मानित किया गया। उसी समारोह में, उनके एक शिक्षक, कृष्णजी

pdfinbox.com

अर्जुन केलुस्कर ने उन्हें मराठा जाति के विद्वान श्री केलुस्कर द्वारा लिखित गौतम बुद्ध की जीवनी भेंट की। इस बुद्ध चरित्र को पहली बार पढ़ने के बाद, भीमराव को बुद्ध की शिक्षाओं का ज्ञान हुआ और वे बुद्ध से बहुत प्रभावित हुए।

डॉ भीमराव आंबेडकर राजनीतिक जीवन

- 31 जनवरी 1920 को एक साप्ताहिक समाचार पत्र "मूकनायक" शुरू किया। 1924 में, बाबासाहेब ने दलितों को समाज में अन्य वर्गों के साथ समान दर्जा देने के लिए बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना की।
- 1932 को गांधीजी और डॉ. अम्बेडकर के बीच एक संधि हुई थी जिसे 'पूना पैक्ट' के नाम से जाना जाता है। अगस्त 1936 में, "इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी" की स्थापना की गई। 1937 में, डॉ. अम्बेडकर ने कोंकण क्षेत्र में काश्तकारी को समाप्त करने के लिए एक विधेयक पारित करवाया। भारत के स्वतंत्र होने के बाद, डॉ अम्बेडकर को संविधान का मसौदा तैयार करने का कार्य सौंपा गया था।
- अम्बेडकर ने फरवरी 1948 संविधान प्रारूप प्रस्तुत किया और यह 26 जनवरी 1949 को लागू हुआ। 1951 में डॉ. अम्बेडकर ने कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। डॉ बी आर अम्बेडकर के कार्यों पर हिंदी सहित सभी क्षेत्रीय भाषाओं में व्याख्यान प्रदान करना।
- हर साल डॉ अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को और पुण्यतिथि 6 दिसंबर को मनाई जाती है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के मेधावी

pdfinbox.com

छात्रों के बीच पुरस्कार वितरण के लिए डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय योग्यता पुरस्कार योजना शुरू करना।
सामाजिक न्याय संदेश की मासिक पत्रिका का हिंदी भाषा में प्रकाशन।
अनुसूचित जाति से संबंधित हिंसा के पीड़ितों के लिए डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय राहत।

pdfinbox.com